वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 296 | मंगलवार 21 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गजेंद्र बोले-गहलोत ने मेरी राजनीतिक हत्या का प्रयास किया: कहा...

संजीवनी घोटाले की चार्जशीट में मेरा नाम नहीं, SOG बुलाए तो खुद पहुंच जाऊंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत के आरोपों पर जवाबी हमला बोला है। शेखावत ने कहा कि सीएम मेरी राजनीतिक हत्या करने के प्रयास के तहत मेरा चरित्र हनन कर रहे हैं। संजीवनी मामले में एसओजी ने तीन-तीन चार्जशीट पेश कर दी, मेरा या मेरे परिवार का कहीं नाम तक नहीं है। फिर भी मुख्यमंत्री ने मुझे अभियुक्त कहा। गजेंद्र सिंह देर शाम जयपुर में प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गजेंद्र सिंह ने कहा कि संजीवनी क्रेडिट सोसाइटी में अभियुक्त कौन है? इस मामले में मुख्य अभियुक्त को कांग्रेस बाड़मेर के पचपदरा से चुनाव लड़ाने की जुगत में थी। संजीवनी सोसाइटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर उसे मल्टी स्टेट करा लाइसेंस तक कांग्रेस राज में मिला। सीएम ने मेरी राजनीतिक हत्या करने का प्रयास किया और सार्वजनिक रूप से चरित्र हनन का अभियान चलाया। चार साल में एसओजी की तीन चार्जशीट में कहीं मेरा या मेरे परिवार का नाम नहीं फिर भी मुझे अभियुक्त कहा गया।

एसओजी का दुरुपयोग करके गजेंद्र सिंह को फंसाने का प्रयास

शेखावत ने कहा- क्या इसे व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने की कोशिश के रूप में देखा जाए? क्या इसे अपने बेटे की शर्मनाक हार की खीझ मिटाने के प्रयास के रूप में देखा जाए? क्या सीएम का यह बयान पुलिस को

इशारा समझा जाए? सीएम ने केवल सार्वजनिक मंचों से कीचड़ उछालने का प्रयास किया है। एसओजी का दुरुपयोग करके गजेंद्र सिंह को फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। एसओजी की गिरफ्तारी से बचने जेड सिक्योरिटी लेने के सीएम के बयान पर गजेंद्र सिंह ने कहा- सीएम ने इस सिक्योरिटी को भी मुझ पर बोलने के लिए हथियार बनाया। मैंने केंद्र से सुरक्षा नहीं मांगी थी। पंजाब का प्रभारी होने के नाते सुरक्षा के आकलन के बाद सिक्योरिटी बढ़ाई गई। सीएम कहते हैं की एसओजी की गिरफ्तारी से बचने के लिए मेरी सिक्योरिटी बढ़ाई गई। मैं तो प्रदेश के हर हिस्से में जाता हूं। मैं चुनौती देकर कहता हूं, अगर किसी भी स्तर पर मैं दोषी पाया जाता हूं तो एसओजी केवल मुझे बोल दे, मैं खुद सहर्ष एसओजी के पास पहुंच जाऊंगा।

झुंझुनू के नायब सूबेदार लद्दाख में शहीद

जयपुर. शाबाश इंडिया

झुंझुनू जिले के निवासी नायब सूबेदार देव करण देश की सेवा करते हुए 19 फरवरी को बटालिक सेक्टर (लद्दाख) में शहीद हो गए। देव करण 15 जाट बटालियन में सुपर हाई एल्टिट्यूड इलाके हेंडेंग्ब्रोक (बटालियन) में तैनात थे। शहीद का अंतिम संस्कार पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ सोमवार को उनके पैतृक गांव में किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर लक्ष्मण सिंह कुडी, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम जन मौजूद रहे। निदेशक, सैनिक कल्याण विभाग ने बताया कि नायब सूबेदार देव करण 13 फरवरी को ड्यूटी के दौरान बेहोश हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए कमाण्ड अस्पताल, उधमपुर (जम्मू-कश्मीर) ले जाया गया। उपचार के दौरान 19 फरवरी को वे शहीद हो गए। उनके पार्थिव शरीर को सोमवार को पैतृक निवास गांव-ढ़ाणी बुरड़कान, पोस्ट- कालियासर तह.- मलसीसर, झुंझुनू लाया गया।

सिलिकोसिस से बचाव के लिए निर्माण की नई तकनीक का हो प्रयोग: मुख्य सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि सिलिकोसिस से बचाव ही उपचार है, इसलिए माइंस, निर्माण स्थलों, मंदिरों आदि के निर्माण में नई तकनीक काम में ली जानी चाहिए जिससे श्रमिकों में सिलिकोसिस होने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि नई तकनीक काम में लेना नियोक्ताओं के लिए भी कार्य की गति बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से फायदेमंद है। मुख्य सचिव सोमवार को शासन सचिवालय में विशेष योग्यजन निदेशालय की सिलिकोसिस निवारण के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में शर्मा ने जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी

जिलों में सिलिकोसिस हॉटस्पॉट क्षेत्रों में आईईसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए और सिलिकोसिस के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि सिलिकोसिस के बचाव के प्रति नई तकनीक और जागरूकता संबंधी वीडियो बनाए जाएं। साथ ही कैंप लगाकर तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से खान मालिकों, निर्माण मालिकों एवं श्रमिकों को जागरूक किया जाए। उन्होंने हॉटस्पॉट क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए।

पोर्टल पर साझा होगी सिलिकोसिस पीड़ितों की मेडिकल रिपोर्ट

मुख्य सचिव ने नियोक्ताओं द्वारा श्रमिकों की नियमित रूप से मेडिकल जांच करने और जांच की रिपोर्ट सिलिकोसिस पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। जिससे सिलिकोसिस पीड़ितों की पहचान और उन्हें मुआवजा राशि देना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर श्रमिकों की जानकारी साझा करने से किस स्थल पर श्रमिक कब से कार्य कर रहा है और उसकी मेडिकल जांच नियमित रूप से कितनी बार की गई, इसकी भी पुष्टि की जा सकेगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि सिलिकोसिस पोर्टल पर एक महीने के भीतर जिलेवार मेडिकल रिपोर्ट डालने की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सिलिकोसिस पीड़ितों की पहचान एवं बचाव में जोधपुर, पाली, दौसा, बूंदी, डूंगरपुर जिलों ने अच्छा काम किया है। इन जिलों को अपनी बेहतरीन कार्यप्रणाली अन्य जिलों के साथ साझा करने के निर्देश दिए।

राज्य में लागू हो अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट

नसीराबाद. शाबाश इंडिया

नसीराबाद बार एसोसिएशन ने जोधपुर में शनिवार को । जुगराज चौहान की निर्मम हत्या की निंदा करते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन देकर राज्य में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट फारूख खत्री व सचिव आशीष अजमेरा के संयुक्त नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने उपखण्ड अधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि वकीलों के साथ बढ़ती अमानवीय अपराधिक घटनाओं के कारण संपूर्ण राज्य में अधिवक्ता समुदाय में भय व आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया है। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने राज्य में वकीलों के साथ हो रही अमानवीय घटनाओं का विरोध करते हुए अधिवक्ताओं की सुरक्षार्थ राज्य में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग की। इससे पूर्व वकीलों ने जोधपुर की घटना के विरोध में न्यायिक कार्य स्थगित रखकर घटना पर विरोध जताया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। सदर बाजार स्थित गदिया भवन में रविवार को सेवा भारती समिति के तत्वावधान में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में एस एम एस हॉस्पिटल के विभागाध्यक्ष (हृदय रोग विभाग) डॉ संजीव देवगढ़ा ने हृदय,वक्ष, श्वास एवं खून की नसों सम्बंधित रोगियों की नि:शुल्क जांच कर परामर्श दिया। शिविर में 63 रोगी लाभान्वित हुए।

नासिक के ऐतिहासिक स्थलों पर पधारे मुनिश्री

नासिक. शाबाश इंडिया

युगप्रधान, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी , मुनि आदित्य कुमारजी ठाणा 2 महाराष्ट्र की पौराणिक सांस्कृतिक नगरी नासिक में श्री रामचंद्रजी के वनवासकालीन कालाराम मंदिर, पंचवटी, सीतागुफा, गोदावरी के रामकुंड, लक्ष्मण मंदिर तथा कापालेश्वर महादेव मंदिर आदि अनेक ऐतिहासिक स्थानों पर पधारें। ट्रस्टी अमरीशभाई बैरागी तथा रामानुज पंडितजी ने मंदिर परिसर में पधारने पर मुनिश्री का

स्वागत किया।मुनिश्री के साथ संपत कोचर ,महावीर कोचर, महावीर रांका, मुकेश हिरण, पंकज आंचलीया, तरुण कोचर, सुनील चोपड़ा, राजीव नितिन समदड़िया, हितेश डांगी, मोतीचंद भंडारी, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा सविता समदड़िया, चांदनी समदड़िया, प्रभा चोपड़ा आदि ने रास्ते की सेवा का लाभ लिया। तेरापंथ भवन पधारने पर अध्यक्ष शांतिलाल दूगड़, अशोक छाजेड़ ने मुनिश्री का स्वागत किया। महिला मंडल की तरफ से नेहा समदड़िया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। मुनि आदित्य कुमारजी ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने फरमाया मैं श्रद्धेय मंत्रीमुनिश्री सुमेरमलजी स्वामी के साथ 18 वर्ष पूर्व नासिक आ चुका हूं। यहां का श्रावक समाज अब पूज्य गुरुदेव को नासिक में बुलाने की तैयारी करें एवं पूज्य गुरुदेव से चरित्र आत्माओं का चतुर्मास प्राप्त हो ऐसी विनती भी श्रीचरणों में करें। बाह्य तीर्थ के साथ अंतरिक आत्म तीर्थ के लिए जागरूक बने।

फोटो : सतीश अकेला " चित्रांकन "

पंचकल्याणक महोत्सव में हुआ गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

हर मानव में गर्भ कल्याणक की परंपरा का निर्वाह हो, गर्भपात का नहीं-मुनिराज सुनील सागर जी महाराज विराटनगर। कस्बे के अतिशय क्षेत्र श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया में आयोजित श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान सोमवार को राष्ट्रीय संत श्री 108 मुनिराज सुनील सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने प्रवचनों के दौरान कहा कि इस सांसारिक जीवन में हर मानव प्राणी को गर्भ कल्याणक की परंपरा होनी चाहिए, ना कि गर्भपात की। उन्होंने गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान पंडित महावीर प्रसाद गींगला के प्रतिष्ठाचार्यत्व मे समाज की 81 महिलाओं द्वारा नव स्थापित शांतिनाथ, कुंथुनाथ, एवं अरहनाथ जिनबिम्ब का शुद्धिकरण किया गया। इससे पूर्व माता का जागरण, सोलह सपनों का फल, की क्रियाएं संपन्न करी गई। तत्पश्चात जैन समाज की महिलाओं द्वारा माता की गोद भराई, का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ किया गया, तथा जिनेंद्र भगवान की आरती, शास्त्र स्वाध्याय, इंद्रसभा सहित अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। इस दौरान श्री पंच खंड पीठाधीश्वर स्वामी सोमेंद्र महाराज, नोबेल पुरस्कृत कैलाश सत्यार्थी, राजस्थान राज्य विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतु कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला योगी ने महाराज श्री से आशीर्वाद लिया, वही समाज द्वारा इन्हें प्रतीक चिन्ह एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुबेर की भूमिका में राजीव जैन गाजियाबाद वाले, सोधर्म इंद्र धर्मचंद पहाड़िया, संरक्षक हरिद्वारी लाल जैन, संयोजक संतोष जैन, महामंत्री विनोद जैन, कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय जैन, मंत्री रतन जैन, जयकुमार जैन, सोनू जैन, सुरेश जैन, शील चंद जैन, अशोक जैन सहित देश प्रदेश से आए हुए एवं स्थानीय जैन समाज के प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

जैसा आप सोचते हैं वैसा होता है...

परम पूज्य आचार्य श्री सुनीलसागर जी गुरुदेव की अमृतवाणी जन-जन को तृप्त करती है। वे कहते हैं इंसान तो ठीक जानवर भी जन्म लेते हैं जानवर में भी एक गधा बनता है जो भार ढोता है और मार खाता है। और एक होता है शेर, जो जंगल पर राज करता है। मानव जीवन अपने भी पाया है हमने भी पाया है अंतर बस गधा और शेर जितना है, तपस्वी सम्राट ने जीवन में कठोर तपस्या की जितना अनाज हम 1 साल हम एक साथ में खाते हैं उतना तपस्वी सम्राट ने पूरी जीवन में भी नहीं ग्रहण किया। हम खाने के लिए जीते हैं और महातपस्वी केवल जीने के लिए खाते थे। प्रभु की पंचकल्याणक की बेला में गर्भ कल्याणक का पूर्वार्ध संपन्न हुआ। आज उत्तरार्ध होगा जिंदगी के पांच पांडव जन्म ,तप, केवलज्ञान और निर्वाण इन पांच भागों में बांटकर जिनेंद्र भगवान का जीवन चरित्र पेश किया जाता है। गर्भ कल्याणक में प्रतिदिन 15 महीनों तक देव द्वारा करोड़ों की वर्षा होती है । इससे यह सिद्ध होता है कि धर्म ध्यान के लिए धन से तृप्त होना भी जरूरी है तीर्थंकर की माता बालक गर्भ में आते ही 16 सपने देखती है ।और तीर्थंकर सभी स्वप्न पूर्ण करते हैं ।आप भी सभी अपने बच्चों को संस्कारित करे । जैसा आप सोचते हैं, विचार रखते हैं बच्चे वैसे बनते है। **as you think so you become** संकल्प करे गर्भ में आने वाले बच्चों को घात नहीं करना। सबका मंगल हों

वेद ज्ञान

झूठ अनेक, मगर सत्य सिर्फ एक

जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है और झूठ के सामने झुकना सरल। ऐसी उलटबांसी क्यों है? उलटबांसी जरा भी नहीं है, सिर्फ तुम्हारे विचार में जरा सी चूक हो गई है, इसलिए उलटबांसी दिखाई पड़ रही है। चूक बहुत छोटी है, शायद एकदम से दिखाई न पड़े, थोड़ी खुर्दबीन लेकर देखोगे तो दिखाई पड़ेगी। सत्य के सामने झुकना पड़ता है, झूठ के सामने झुकना ही नहीं पड़ता, झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और इसीलिए झूठ से दोस्ती आसान है, क्योंकि झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और सत्य से दोस्ती कठिन है, क्योंकि सत्य के सामने तुम्हें झुकना पड़ता है। अंधा अंधेरे से दोस्ती कर सकता है, क्योंकि अंधेरा आंखें चाहिए ऐसी मांग नहीं करता, लेकिन अंधा प्रकाश से दोस्ती नहीं कर सकता है, क्योंकि प्रकाश से दोस्ती के लिए पहले तो आंखें चाहिए। अंधा अमावस की रात के साथ तो तल्लीन हो सकता है, मगर पूर्णिमा की रात के साथ बेचैन हो जाएगा। पूर्णिमा की रात उसे उसके अंधेपन की याद दिलाएगी, अमावस की रात अंधेपन को भुलाएगी, याद नहीं दिलाएगी। तुम कहते हो, 'जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है।' यह सच है, क्योंकि सत्य के सामने झुकने का अर्थ होता है अहंकार को विसर्जित करना। लेकिन दूसरी बात सच नहीं है जो तुम कहते हो कि झूठ के सामने झुकना सरल क्यों है? झूठ के सामने झुकना ही नहीं पड़ता, झूठ तो बहुत जी-हजूर है। झूठ तो सदा तुम्हारे सामने झुका हुआ खड़ा है, तुम्हारे पैरों में बैठा है। झूठ तो गुलाम है। झूठ के साथ दोस्ती आसान, क्योंकि झूठ तुम्हें रूपांतरित करने की बात ही नहीं करता। झूठ तो कहता है कि तुम हो ही, जो होना चाहिए वही हो, उससे भी श्रेष्ठ तुम हो। झूठ तुम्हारी प्रशंसा के पुल बांधता है। झूठ तुम्हें बड़ी सांत्वना देता है और कितने-कितने झूठ हमने गढ़े हैं! इतने झूठ कि अगर तुम खोजने चलो तो घबड़ा जाओ! सत्य तो एक है, झूठ अनंत हैं। झूठ अनेक हैं। जैसे स्वास्थ्य एक है और बीमारियां अनेक हैं, ऐसे ही सत्य एक है और सत्य तुम्हें फुसलाएगा नहीं, तुम्हारी खुशामद नहीं करेगा। सत्य तो कड़वा मालूम पड़ेगा, क्योंकि तुम झूठ की मिठास के आदी हो गए हो। झूठ तो अपने ऊपर शक्कर चढ़ाकर आएगा। सत्य तो जैसा है वैसा है- नग्न! जो लोग झूठ के आदी हो गए हैं, वे सत्य से तो आंखें चुराएंगे, सत्य उनकी जीभ को जमेगा ही नहीं।

संपादकीय

पानी और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव नदारद

सभ्यता के प्रारंभ में ही इंसानी समाज ने यह समझ लिया था कि जल ही जीवन है। सृष्टि की रचना और इसके पालन पोषण में जल की उपयोगिता को देखते हुए सभी अहम ग्रंथों में इसकी महिमा गाई गई और बताया गया कि जल औषधि है। यह सब रोगों का नाश करता है। अध्यात्म से लेकर विज्ञान तक ने पृथ्वी, आकाश, जल, वायु और अग्नि जैसे जीवनदायिनी पंचतत्त्वों के प्रति कृतज्ञता का भाव रखना सिखाया। इसीलिए संसार की सभी संस्कृतियों में इस बात की अहमियत को समझा गया कि अगर जल का उचित संचयन और संग्रहण नहीं किया गया तो मानव जीवन खतरे में पड़ सकता है। हड़प्पा से लेकर मेसोपोटामिया और ग्रीस तक सभी प्राचीन सभ्यताओं में जल संचयन और संग्रहण की एक वैज्ञानिक व्यवस्था थी। आर्यभट्ट प्रथम के शिष्य वराहमिहिर ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ

''**बृहत्संहिता**'' में भूजल की खोज और उसके उपयोग के बारे में सवा सौ सूत्र वर्णित किए हैं, जिनकी मदद से करीब छह सौ मीटर की गहराई तक मिलने वाले पानी के बारे में पता करना संभव है। हड़प्पा काल के ऐतिहासिक स्थलों की खुदाई से पता चलता है कि उस काल में बने हर तीसरे मकान में कुआं था। आज प्रौद्योगिकी बहुत विकसित हो गई है, लेकिन पानी और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव नदारद दिखता है। जल संसाधनों के गैर जिम्मेदाराना दोहन की वजह से हम एक बड़े जल संकट की ओर बढ़ रहे हैं। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने आसन्न जल संकट की चेतावनी देते हुए कहा है कि पानी की कमी को पूरे विश्व में भविष्य के संकट के रूप में देखा जा रहा है। एक जगजाहिर तथ्य है कि भारत में हजारों वर्ष पहले प्रकृति, पर्यावरण और पानी को लेकर संयमित, संतुलित एवं संवेदनशील व्यवस्था का सृजन किया गया था। प्रधानमंत्री ने भी कहा कि जल संरक्षण की भावना हजारों साल से हमारी संस्कृति का हिस्सा है। मगर आज हालत यह है कि न सिर्फ खेती से लेकर अन्य सभी जरूरी उपयोग के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि पेयजल के लिए भी हमें बाजार का मुंह देखना पड़ रहा है। इस मसले की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आज भूजल से लेकर वर्षाजल के संरक्षण तक के लिए विशेष उपाय और प्रावधान तक करने की जरूरत पड़ने लगी है। जाहिर है, यह स्थिति अब एक बार फिर जल संरक्षण के लिए प्राचीन तरीके अपनाने की जरूरत को रेखांकित करती है। दरअसल, धरती पर उपलब्ध कुल पानी में सिर्फ 2.7 फीसद ही मीठा जल है। भारत में दुनिया के मीठे जल का 3.5 फीसद हिस्सा है, लेकिन इसके भी नवासी फीसद हिस्से का उपयोग कृषि क्षेत्र में हो जाता है। जल संचयन के पुराने तरीकों को आमतौर पर भुला दिया गया है। वनों की कटाई और शहरीकरण के नतीजे में ज्यादातर तालाब, बावड़ियां और जोहड़ विलुप्त हो चुके हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

इंसानियत...

सूचे जीव-जगत में मनुष्य को सबसे खास इसलिए माना जाता है कि सभ्यता के विकास क्रम में इसके भीतर पारिस्थितिकी के चक्र को समझने की सलाहियत भी पैदा हुई और उसी के तहत इंसान ने अपने आसपास न सिर्फ अपने लिए उपयोगी और जरूरी जीव-जंतुओं की पहचान की, बल्कि अन्य पशुओं और पक्षियों के प्रति भी एक संवेदनशील व्यवहार का रुख अपनाया। वक्त के साथ मनुष्य ने भले अपने एक संगठित समाज को आकार दिया, एक दुनिया बनाई, मगर इसमें जीव-जगत में मौजूद कई पशु-पक्षी भी इसके सहायक बने। इसी के समांतर कुछ खास जीव-जंतुओं की अहमियत को इंसानी समाज ने दर्ज भी किया, उसे उचित महत्त्व दिया और अपने जीवनयापन में उसकी उपयोगिता को समझा। लेकिन जैसे-जैसे समाज आधुनिक होता जा रहा है, वैसे-वैसे कई बार ऐसी स्थितियां भी देखी जाती हैं जब किसी व्यक्ति को नाहक ही पशु-पक्षियों के प्रति बेहद क्रूरतापूर्ण बरताव करते देखा जाता है। यह न केवल अमानवीय और संवेदनहीनता का सूचक है, बल्कि ऐसे व्यवहार के खिलाफ सख्त नियम-कायदे या कानून भी हैं। इसके बावजूद कुछ लोग महज अपनी कुंठा को बाहर निकालने के लिए किसी पशु के खिलाफ बर्बरता से पेश आते हैं। इसी मसले पर दिल्ली की एक अदालत ने एक पुलिसकर्मी के विरुद्ध ऐसी शिकायत के बाद नरमी बरतने पर सवाल उठाया है। गौरतलब है कि पिछले महीने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में एक कुत्ते को बेरहमी से डंडे से पीटते पुलिसकर्मी का वीडियो सुर्खियों में आया था। इस मसले पर अब अदालत ने दिल्ली पुलिस के आरोपी अधिकारी पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। दरअसल, किसी भी शिकायत के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने से पहले पूछताछ के आधार पर मामले को बंद करने की अनुमति नहीं है। लेकिन इस मामले में कथित जांच के बाद कहा गया कि आरोपी ने कोई दंडनीय अपराध नहीं किया और कानून के तहत किसी कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। ऐसा अक्सर देखा जाता है कि पुलिस आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत निर्धारित नियमों को दरकिनार करके ऐसे रुख का सहारा लेती है। इस संदर्भ में अदालत ने कहा कि बिना मामला दर्ज किए आरोपी को पूरी तरह निर्दोष घोषित करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जाहिर है कि यह न केवल जीव-जंतुओं के प्रति क्रूर व्यवहार, बल्कि कानूनी प्रावधानों के भी उचित तरीके से पालन में कोताही का मामला है। सवाल है कि क्या ऐसा इसलिए संभव हो सका कि नाहक ही बेरहमी का शिकार एक ऐसा पशु था, जो आमतौर पर अपने ऊपर अत्याचार को सहता रहता है! यह समझना मुश्किल है कि किसी व्यक्ति के भीतर ऐसी आक्रामकता का स्रोत क्या होता है कि वह केवल मौज लेने के लिए कुत्ते या अन्य पशुओं पर हमला करता है। इस तरह की संवेदनहीनता के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम है, जिसके तहत ऐसा करने वालों के लिए बाकायदा दंड की व्यवस्था है। मगर यह अफसोसनाक है कि जिन पुलिसकर्मियों को ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, कई बार वे खुद ऐसी क्रूरता करते हुए देखे जाते हैं। यों यह तथ्य है कि समूचे जीव-जगत में मनुष्य को सबसे खास इसलिए माना जाता है कि सभ्यता के विकास क्रम में इसके भीतर पारिस्थितिकी के चक्र को समझने की सलाहियत भी पैदा हुई और उसी के तहत इंसान ने अपने आसपास न सिर्फ अपने लिए उपयोगी और जरूरी जीव-जंतुओं की पहचान की, बल्कि अन्य पशुओं और पक्षियों के प्रति भी एक संवेदनशील व्यवहार का रुख अपनाया।

श्रद्धा पूर्वक मनाया तपकल्याणक, उमड़े श्रद्धालु

नीलांजना का नृत्य देख ऋषभदेव को हुआ संसार से वैराग्य, हुई दीक्षा विधि, अपने रूप को नहीं चारित्र को चमकाओ : आचार्य श्री विशुद्धसागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ अतिशय क्षेत्र गिरारगिरी विकासखंड मड़ावरा में चर्या शिरोमणि , आध्यात्मिक संत आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के 27 पिच्छि धारी साधुओं के विशाल संघ सान्निध्य में ब्र. जय कुमार जी निशांत, पंडित सनत कुमार विनोद कुमार जैन के प्रतिष्ठाचार्यत्व में आयोजित श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक मानस्तम्भ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा, विश्वशान्ति महायज्ञ एवं रथोत्सव महोत्सव में सोमवार को तपकल्याणक अगाध श्रद्धा-आस्था पूर्वक मनाया गया। तप कल्याणक विधि विधान के साथ आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, जन्मकल्याणक पूजन, हवन किया गया। इस मौके पर समाज श्रेष्ठी जनों द्वारा आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किया गया। दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। प्रातः 9 बजे आध्यात्मिक संत, आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपनी दिव्य देशना में सम्बोधित करते हुए कहा कि चमकते शरीर को पाकर अभिमान मत करना, यह क्षण भंगुर है, अपने चारित्र को चमकाना। पाषाण में संस्कार दे दिए जायं तो तीर्थ बन जाते हैं और इंसान को संस्कार दे दिए जाएं तो तीर्थंकर बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि दिखावे, प्रदर्शन और मठाधीश बनने के लिए कभी भी संत, साधु मत बनना, निज को देखने के लिए संत, मुनि बनना। संसार का सुख-दुःख कर्म के रूप में है। जब वैराग्य आता है तो संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं। जैसे आज आपने देखा आदिनाथ को कैसे संसार से वैराग्य हो गया। उनके पास संसार के सारे वैभव हैं लेकिन जब उन्हें वैराग्य आया तो सारे वैभव को त्याग कर दिगंबरत्व को धारण करते हैं। संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है, अस्थिर है, किन्तु आत्मा का रूप आलौकिक है, आत्मा की संपदा अनंत अक्षय है। दोपहर 12.40 बजे से महाराजा नाभिराय का दरबार लगाया गया, जिसमें आदिकुमार का राज्याभिषेक, राजतिलक, राज्य व्यवस्था, 32 मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा भेंट समरोण, ब्राह्मी-सुंदरी को शिक्षा एवं असि,मसि, कृषि, विद्या आदि षट्कर्म,दंडनीति को महोत्सव के पात्रों द्वारा दर्शाया गया। नीलांजना का नृत्य देखकर आदिनाथ को वैराग्य की उत्पत्ति हो जाती है, लौकांतिक देवों द्वारा स्तवन और दीक्षा वन प्रस्थान को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठते हैं। युवराज भरत बाहुबली व बाहुबली राज्य तिलक दीक्षा अभिषेक दीक्षा वन आगमन, दीक्षा कल्याणक संस्कार विधि की गई। तपकल्याणक को नाट्यरूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें राज्याभिषेक के बाद निलज का नृत्य देखकर युवराज को वैराग्य आ जाता है। संसार की क्षणभंगुरता के बोध से युवराज को संसार से वैराग्य हो गया और उनके जैनेश्वरी दीक्षा की प्रक्रिया मंचित की गई। इसके बाद दीक्षा विधि हुई। महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित सुप्रसिद्ध प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में 23 व 24 फरवरी को चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में नवागढ़ महोत्सव होगा, जिसकी आमंत्रण पत्रिका का विमोचन पंचकल्याणक महोत्सव गिरार में आचार्यश्री के सान्निध्य में समाज श्रेष्ठि संतोष जैन घड़ी सागर, बाबूलाल मैनवार, नवागढ़ क्षेत्र के निर्देशक ब्र. जय कुमार निशांत, अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन, महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, मंत्री अशोक जैन मैनवार, प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय, मनीष संजू आदि ने किया। मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि महोत्सव मंगलवार को भारतीय साहित्य जगत के पुरोधा, बहुभाषाविद, इतिहासविद, पुरातत्ववेत्ता, जैनदर्शन के अध्येता, जैन राष्ट्र गौरव श्री प्रोफेसर भागचंद्र जैन भागेन्दू दमोह का राष्ट्रीय सम्मान श्री गिरार जी महोत्सव में ज्ञान कल्याणक की दोपहर में 1 बजे से आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ सान्निध्य में संपन्न किया जाएगा। ब्र. जयकुमार जी निशांत भैया ने कहा कि आप सभी उपस्थित होकर बहुमान बढ़ाएं। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव की आयोजन समिति, क्षेत्र की प्रबंध व ट्रस्ट कमेटी व महोत्सव की उप समितियों- भोजन समिति, मुनि सेवा समिति, चौका समिति, कार्यालय समिति, विद्युत व्यवस्था, कलश आवंटन एवं वस्त्र वितरण , स्वास्थ्य सेवा , जल समिति, यातायात समिति , जुलूस एवं पांडाल, त्यागी व्रती भोजनशाला।

विवाह की पचास वी वर्षगांठ पर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी पहुंचे उत्तम पांड्या

मुनि पुंगव श्रीसुधासागर आहार निलय का उद्घाटन किया पंड्या परिवार ने

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में निर्मित हुआ आहार निलय, मुनिश्री के आशीर्वाद से दर्शनोदय तीर्थ विकास की ओर अग्रसर: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

अंचल के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में नव निर्मित मुनि पुंगव श्रीसुधासागर आहार निलय का आन लाइन मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज के आशीर्वाद से जयपुर के श्रावक श्रेष्ठी उत्तम कुमार पांड्या परिवार द्वारा उद्घाटन जैन युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के वीच किया गया। इसके पहले आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण उत्तम चंद, लोकेश कुमार पांड्या, अजय कुमार संजय कुमार कटारिया, कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल, उपाध्यक्ष राकेश अमरोद ,महामंत्री विपिन सिंघाई, मंत्री विनोद मोदी, राजेन्द्र हलवाई, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल ने आचार्य के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया।

मुनिश्री की प्रेरणा कमेटी में नई ऊर्जा भर देती है...

समारोह को संबोधित करते हुए दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय धुर्रा ने कहा कि दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी निरंतर आचार्य श्री एवं मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के पास जा रही है कल जब कमेटी ने निवेदन किया तो मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने आंन लाइन उद्घाटन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। आज आहार निलय का उद्घाटन पांड्या परिवार द्वारा किया जा रहा है। मुनि पुंगव के आशीर्वाद से कमेटी

निरन्तर विकास को आगे बढ़ा रही है। कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघाई ने कहा कि जब से मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने तीर्थ क्षेत्र पर शान्ति धारा चातू कराई है तव ही से तीर्थ क्षेत्र में सुविधाओं कालगातार विस्तार हो रहा है। मंत्री विनोद मोदी ने कहा कि आहार निलय की महती आवश्यकता क्षेत्र पर महसूस की जा रही है जो अब पूरी होने जा रही है। अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल ने कहा कि क्षेत्र पर संत शाला धर्मशालाओ के साथ स्वतंत्र रूप से आहार निलय की बहुत जरूरत थी जो पूरी हो रही है।

सर्व सुविधाओं से युक्त आहार निलय बनाया है: पाड्या

इस अवसर पर श्रावक श्रेष्ठी उत्तम चंद पंड्या जयपुर ने कहा कि हम वर्षों पहले थूवोनजी आये थे तब के और अब के थूवोनजी तीर्थ में जमीन आसमान का अंतर हो गया ।गुरु जी ने दर्शनोदय नाम दिया और यहां हर चीज दर्शनीय बन रही है ।अजय कटारिया ने कहा कि यहां के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के सामने बैठ जाओ तो उठने को मन नहीं करता। ऐसी अलोकिक शाक्ति वह प्रभावित होती रहती हैं। इस दौरान सोमवार मंडल के सन्तोष तारई, रोहित सिंघई, सुनील मामा, अनुल जैन, युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई, टिकंल जैन, एन के अंकित जैन, विट्टू खजूरिया, नीरज जैन, महावीर वेलई सहित अन्य भक्तों ने भगवान का अभिषेक कर जगत कल्याण की कामना के लिए अन्य भक्तों के साथ शान्ति धारा की।

जैन सोश्यल ग्रुप नार्थ की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नार्थ की धार्मिक यात्रा संपन्न हुई। फागी परिक्षेत्र के डाबिच ग्राम में 19 फरवरी 2023 को पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का 108 स्वर्ण कलशों से भव्यता के महामस्ताभिषेक किया गया बाद में भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन किया गया। ग्रुप अध्यक्ष अभय गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर से करीब 350 यात्रियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा आस पास के ग्रामीण इलाकों से परिक्षेत्र के करीब 300 श्रावकों ने भी धर्म लाभ प्राप्त किया। ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने अवगत कराया कि सौधर्म इन्द्र बनने का सोभाग्य दिनेश - अलका जैन डाबिच वालों ने प्राप्त किया, दीप प्रज्वलन करता अजय कुमार , अभय कुमार गंगवाल जयपुर थे, कार्यक्रम के बाद आयोजकों की तरफ से शानदार स्वरूची भोज का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी द्वारा अभय गंगवाल अध्यक्ष ,मनीष झंझरी संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष संजय जैन का स्वागत किया। माधोराजपुरा, गुण स्थली ,खेड़ा के बालाजी मंदिरों के भी दर्शन एवं मोजमाबाद मंदिर में आरती के पश्चात जयपुर के लिए प्रस्थान किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रमोद सुनीता पाटनी, सुकेश सपना काला एवं अजय रितु ने किया।

महावीर इंटरनेशनल इंटरनेशनल का 29वां अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन सूरत में

कुचामन सेन्टर हुआ सम्मानित

सुरत. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल इंटरनेशनल संस्था का 29 वे अन्तर्राष्ट्रीय अधिवेशन 18/19 फरवरी को सूरत के ग्रीन पार्क रिसोर्ट में आयोजित हुआ। जिसमें कुचामन सिटी जोन कोषाध्यक्ष वीर सुभाष पहाड़िया के नेतृत्व मे 14 वीर वीरा ने भाग लिया। संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर शांति कुमार जैन, सचिव अनिल कुमार जैन द्वारा कुचामन सेन्टर को जीवदया सेवा , चिकित्सा शिविर , मरणोपरांत आई डोनेट मे की गई विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मान पत्र व शिल्ड देकर सम्मानित किया। साथ ही युथ कार्तिक गोयल को वेस्ट सचिव उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। संस्था के शीर्ष नेतृत्व द्वारा वीर सुभाष पहाड़िया 2023-25 के लिए को गवर्निंग काउसिल मेम्बर के पद से मनोनीत किया गया। अधिवेशन में संस्था के सचिव वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेशकुमार जैन , वीर सुभाष वीरा मंजू, वीर विजय कुमार सुलोचना पहाड़ियां, वीर रतन लाल कमला मेधवाल, वीर अजित पहाड़िया, वीर सम्पत बगड़िया, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीरा अध्यक्षा सरोज पाटनी, वीरा सुनिता, वीर कोमल गंगवाल ने अधिवेशन में भाग लिया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ राजस्थान आगामी दिनों में करेगा समाजोपयोगी कार्य : राजीव कश्यप

दिल्ली के अशोका होटल में 'ब्रह्मोद्योग' का भव्य आयोजन 25 से 28 फरवरी तक, तैयारियां जोरों पर

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में आगामी 25 से 28 फरवरी तक तक दिल्ली के अशोका होटल में 'ब्रह्मोद्योग' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर से करीब 15 हजार के आसपास प्रतिनिधि जुटेंगे जो राजनैतिक,सामाजिक व व्यापार,कानून व चिकित्सा सहित अन्य मुद्दों पर मंथन करेंगे। इस मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव कश्यप ने कहा कि इस आयोजन में भाग लेने के लिए राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब छह सौ के आसपास विप्र बंधु बस से दिल्ली जाएंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में महासंघ राजस्थान के 33 जिलों में समाजोपयोगी प्रकल्प के रूप में कई कार्य करेगा। इन कार्यों में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद

व छात्रवृत्ति,गरीब कन्याओं की शादी,ब्राह्मण छात्रावास व वृद्धाश्रम का निर्माण कराना,,गरीब परिवारों को राशन वितरण, समाज के लिए समय-समय पर चिकित्सा शिविर के आयोजन,मूक बधिर व दिव्यांगों की सहायता आदि कार्य करेगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.गोविन्द कुलकर्णी व राष्ट्रीय महासचिव डॉ.श्याम रघुनंदन ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर का मंच है जो ब्राह्मण समुदाय को विभिन्न व्यावसायिक तत्वों को एक साथ लाने का कार्य करता है। दिल्ली से पहले यह आयोजन औरंगाबाद व पुणे में हो चुका है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि देश के साथ विदेश के ब्राह्मण बंधु समाज की एकता व शक्ति के बारे में जान सके। राष्ट्रीय महासचिव डॉ.श्याम रघुनंदन ने बताया कि आयोजन में पहले दिन 25 व 26 को समाज के उद्योगपतियों कॉन्फ्रेंस,27 को एडवोकेट विग कॉन्फ्रेंस होगी। इसीदिन तालकटोरा स्टेडियम पर ब्राह्मण सम्मेलन होगा,जिसमें करीब 15 हजार के आसपास समाजबंधु शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन के दौरान 28 फरवरी को डॉक्टर्स विंग की कॉन्फ्रेंस होगी। यह तीनों कॉन्फ्रेंस दिल्ली के अशोका होटल में होगी। इस दौरान भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए ब्राह्मण उद्यमियों के उत्पादों अथवा सेवाओं की प्रदर्शनी दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी।

डॉ. अनुपम-विनीता जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानित कार्यकारिणी सदस्य

मोबाईल नंबर 9414443463

की वैवाहिक वर्षगांठ (21 फरवरी) पर

Happy Anniversary

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

सांगानेर कोर्ट को मिली 12 बीघा जमीन

राज्य सरकार की न्यायालय को सौगात, आवासन मंडल ने प्रताप नगर सांगानेर में किया जमीन आवंटन, सांगानेर बार एसोसिएशन ने जताया आभार

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान आवासन मंडल द्वारा राज्य सरकार के निर्देश पर सांगानेर प्रताप नगर में न्यायालय परिसर सांगानेर के लिए 28945 वर्गमीटर भूमि (लगभग 12 बीघा) आवंटित की है। सांगानेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि बार एसोसिएशन द्वारा आवासन मंडल की भूमि को न्यायालय के लिए उपयुक्त मानते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम व राजस्थान उच्च न्यायालय को ज्ञापन प्रस्तुत किया था। जिस पर उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान सरकार को अनुशंसा की थी। राज्य सरकार के निर्देश पर आवासन मंडल द्वारा सांगानेर न्यायालय परिसर हेतु 28945 वर्गमीटर सांस्थानिक भूमि का आवंटन कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम को आवंटन जारी कर दिया है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति अजय रस्तोगी, मुख्य न्यायाधिपति एम एम श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, प्रमुख शासन सचिव विधि ज्ञानप्रकाश गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच कुंजीलाल मीणा, आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा सहित अन्य न्यायाधिपतिगण, प्रशासनिक व न्यायिक अधिकारियों का आभार प्रकट किया है। पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र ढाका व तीर्थनारायण शर्मा ने बताया कि सांगानेर में वर्तमान में 11 न्यायालय स्थापित है परंतु जगह के अभाव में न्यायालयों के सुगम संचालन नही हो पा रहा था इस कारण भूमि उपलब्ध होने से अब पक्षकारों व अधिवक्ताओं को सुविधा मिलेगी। अब जगह उपलब्ध होने से अन्य न्यायालयो की स्थापना हो सकेगी एवं परिसर का विकास होने से सांगानेर जिला न्यायालय के रूप में विकसित हो सकेगा। इस जमीन में न्यायालयों के साथ बार एसोसिएशन रूम, सभागार, न्यायिक अधिकारी आवास, क्रेच, रिक्रिएशन सेंटर अधिवक्ता चेम्बर व अन्य सुविधाएं विकसित हो सकेगी। पूर्व अध्यक्ष हुकमचंद पारीक व श्रीप्रकाश तिवाड़ी ने बताया कि आवंटन होने पर न्यायिक अधिकारियों व वकीलों में खुशी की लहर दौड़ गयी। जिला न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम नंदिनी व्यास, सांगानेर एडीजे शालिनी महर्षि, विशाल भार्गव, न्यायिक अधिकारी संजीव कुमार प्रदीप कुमावत, कामाक्षी मीणा, कविता मीना व नेहा कुमावत के साथ अधिवक्ताओ ने न्यायालय परिसर को आवंटन हो जाने पर मिठाई खिला कर व माला पहनाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। न्यायालय परिसर में आतिशबाजी व डोल बजाकर खुशियां मनाई गई।

न्याय पर सबका अधिकार

आवासन मंडल अधिवक्ता राजेश वशिष्ट ने बताया कि जनता को सुलभ न्याय मिले इसलिए न्यायालय के समीप ही भूमि का आवंटन किया गया है। भूमि की कीमत करीब 118 करोड़ रुपये है। पूर्व अध्यक्ष हरनाथ चौधरी व विजय मामनानी ने बताया कि बार एसोसिएशन द्वारा 2वर्ष पूर्व से जमीन आवंटन के लिए प्रयास किये जा रहे थे। जमीन आवंटन होने से सांगनेर व चाकसू तहसील के लाखों को फायदा होगा एवम सांगानेर में अधिक से अधिक न्यायालय स्थापित हो सकेंगे। पूर्व अध्यक्ष हंसराज भहरवाल व एम इस्लाम ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व उच्च न्यायालय के तत्कालीन प्रशासनिक न्यायाधिपति संगीतराज लोढा व तत्कालीन जिला न्यायाधीश (जस्टिस) उमाशंकर व्यास ने त्वरित कार्यवाही कर मात्र 1 माह में भूमि को न्यायालय के लिए उपयुक्त मानते हुए साकार से अनुशंसा कर दी थी।

।। श्री सहस्रफणी पार्श्वनाथाय नमः।।

अतिशयकारी 300 वर्ष प्राचीन

श्री श्री 1008 चिन्तामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

पारस विहार, मोहनपुरा, जयपुर

(अन्तर्गत-कुन्दनमल कमलादेवी गोदीका मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर)

अष्टाह्निका महापर्व पर प्रथम वार

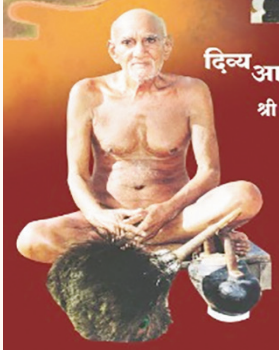

दिव्य आशीष : वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज

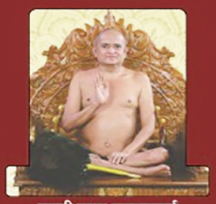

तपस्वी सम्राट महामनाचार्य कुशाग्र नन्दी जी मुनिराज

पावन सान्निध्य.. पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज

श्री श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ

सोमवार, दिनांक 27 फरवरी, 2023 से मंगलवार, दिनांक 7 मार्च, 2023 तक

विधानाचार्य
पं. सुरेन्द्र कुमार जैन, सलुम्बर

संगीतकार
साक्षी जैन, जयपुर

आमंत्रण पत्रिका

सकल समाज के साधर्मी बन्धुवर,
सादर जय जिनेन्द्र।
आपको जानकारी देते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हम सभी के प्रबल पुण्योदय से तपस्वी सम्राट महामनाचार्य १०८ कुशाग्रनन्दी जी गुरुदेव के पावन आशीर्वाद से परम पूज्य उपाध्याय श्री १०८ ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में हमारे जिनालय में प्रथम बार अष्टाह्निका महापर्व का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें आप सभी साधर्मी इष्टमित्रों सहित सपरिवार सादर आमंत्रित है।

तीर्थभक्त शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री 108 महावीर कीर्ति जी मुनिराज का
दीक्षा दिवस समारोह
(फाल्गुन शुक्ल एकादश)
गुरुवार, दिनांक 2 मार्च, 2023

मांगलिक कार्यक्रम

दिनांक 27 फरवरी, 2023 (फाल्गुन शुक्ला अष्टमी)

प्रात: 7.00 बजे	: देव आज्ञा, आचार्य निमंत्रण
प्रात: 7.30 बजे	: मंगलाष्टक, अभिषेक– शांतिधारा,
प्रात: 8.30 बजे	: ध्वजारोहण
प्रात : 9.00 बजे	: घटयात्रा, मंडप शुद्धि, मंडल प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंगल कलश स्थापना, जिन पूजा विधान प्रारम्भ
सायं 7.30 बजे	: महाआरती
सायं 8.00 बजे	: शास्त्र वचन (प्रवचन)
सायं 8.30 बजे	: सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिदिन)

दिनांक 28 फरवरी से 6 मार्च, 2023 तक (प्रतिदिन)

प्रात: 7.00 बजे	: मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा
प्रात: 7.30 बजे	: नित्य पूजा, विधान प्रारंभ
प्रात: 9.00 बजे	: प्रवचन
सायं 7.30 बजे	: प्रतिदिन महाआरती, प्रतिक्रमण
सायं 8.00 बजे	: शास्त्र वचन (प्रवचन)
रात्रि 8.30 बजे	: सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिदिन)

दिनांक 7 मार्च, 2023 (पूर्णिमा)

प्रात: 6.30 बजे	: मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, सरस्वती पूजा–अर्चना आचार्य पूजन, विश्व शांति महायज्ञ, मंडप निष्पादन, भव्य समारोह

वात्सल्य रत्नाकर
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज का
70 वाँ दीक्षा जयन्ती पर्व

रविवार, दिनांक 5 मार्च, 2023 (फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी)

कार्यक्रम.. मध्याह्न 2.00 बजे से - विनयाञ्जलि सभा, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पूजन अष्ट द्रव्य, विद्वत उद्‌बोधन

आमंत्रित विद्वतजन्....डॉ. सनत कुमार जैन, जयपुर • डॉ. प्रेम चन्द रांवका, जयपुर • डॉ. एन.के.खींचा, जयपुर, डॉ. पी.सी.जैन, जयपुर पं. चन्दनमल अजमेरा, जयपुर • पं. विमल कुमार जैन बनेठा, जयपुर

गुरु उपासना
समस्त वात्सल्य रत्नाकर चरणानुरागी परिवारगण

चित्र अनावरण
श्री निर्मल कुमार जी सेठी, मुकुन्दपुरा

दीप प्रज्जवलन
श्री नरेश कुमार जी दिनेश कुमार जी पापड़ीवाल

मुख्य समन्वयक
पवन जैन गोदीका

मुख्य संयोजक
सुरेश चन्द जैन बांदीकुई

संयोजक
अरुण कुमार बाकलीवाल (रेवड़ी)

समन्वयक
प्रमोद बाकलीवाल

ध्वजारोहणकर्त्ता
श्री देवप्रकाश जी खण्डाका
अध्यक्ष, श्री दिगम्बर जैन मुनिसंघ व्यवस्था समिति

मुख्य कलश स्थापनकर्त्ता
श्री ताराचन्द जी जैन स्वीट कैटर्स
अध्यक्ष, एवीएस फाउण्डेशन, जयपुर

जाप्यकलश स्थापनकर्त्ता
श्री राकेश कुमार जी सुखानन्द जी सारंग जी काला
दुर्गापुरा, जयपुर

नोट : बाहर से पधारने वाले सभी महानुभावों के अतिथि सत्कार की पूर्ण व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा रखी गई है।

समन्वय समिति..श्री एम.पी.जैन, श्री जे.के.जैन, श्री धनकुमार कासलीवाल, श्री सुशील पहाड़िया, श्री राजेन्द्र सेठी, श्री पवन जैन नगिना, श्री राजेश काला, श्री सौभागमल जैन, श्री सुनील सौगानी श्री विजय पाण्ड्या, श्री कैलाश छाबड़ा, डॉ. सुनील जैन, श्री कमल छाबड़ा, श्री महावीर कासलीवाल

स्वागत समिति..श्री शिखरचन्द कासलीवाल, श्री अजित जैन बीओबी श्री कोशल सेठी, श्री अशोक जैन खेड़ली, श्री राजेन्द्र शाह, श्री महावीर बाकलीवाल, श्री गौरव जैन देवनगर, श्री सुनील साखुनियाँ

प्रचार व्यवस्था..श्री बाबूलाल ईटून्दा, श्री अभिषेक जैन बिट्टू, श्री अमर जैन कोटखावदा, श्री अभिषेक जैन

सहयोगी....श्री दिगम्बर जैन मन्दिर वरुण पथ, हीरा पथ, थड़ी मार्केट, मीरा मार्ग, राधानिकुंज, इंजीनियर कॉलोनी, पद्मावती कॉलोनी, मान्यावास, वर्धमान सरोवर, केसर चौराहा, मन्दिर प्रबन्धसमिति अधिनस्थ समस्त युवा एवं महिला मण्डल एवं सकल दिगम्बर जैन समाज

अखिल भारतीय युवा एकता संघ, अखिल भारतवर्षीय पुलक जन चेतना मंच एवं महिला जाग्रती मंच सोश्यल ग्रुप नवकार, दिगम्बर जैन महासमिति मानसरोवर सम्भाग, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद्

परामर्शक संरक्षक
भट्टारक देवेन्द्र विजय स्वामीजी

शिरोमणि संरक्षक
डॉ. अनिल जैन (लक्की हॉस्पिटल), मुहाना
अरुण बाकलीवाल, रेवड़ीवाले

परम संरक्षक
पदम चन्द गंगवाल
कौशल सेठी

संरक्षक
देव प्रकाश खण्डाका, राजेन्द्र के. शाह, संतोष जैन सडूवाले, सुरेन्द्र पाटनी (सुजानगढ़), साहिल जैन (पं. बंगाल)

अध्यक्ष
पवन जैन गोदिका
93149-39330

उपाध्यक्ष
धर्मेन्द्र गोदिका

मंत्री
प्रमोद जैन बाकलीवाल
98879-88000

संयुक्त मंत्री
सीए मनोज बाकलीवाल

कोषाध्यक्ष
विरेन्द्र के. सेठी

सह-कोषाध्यक्ष
प्रतीक गोदिका

निर्माण मंत्री
इंजी. गौरव जैन

संगठन मंत्री
सुभाष पाटनी

संगठन मंत्री
सीए मनीष छाबड़ा

संगठन मंत्री
एस.एन.जैन मुहाना

प्रचार मंत्री
राकेश गोदिका

कार्यकारिणी सदस्यगण.. मोतीलाल छाबड़ा, नरेश अजमेरा, पुष्पेन्द्र जैन (दिल्लीवाले), मनोज जैन, श्रेय पाटनी, चेतन जैन (साम्बरे)

निवेदक-श्री 1008 चिन्तामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति, पारस विहार, मोहनपुरा, जयपुर

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक
R K GROUP
Kishangarh, Rajasthan
lasting impressions
WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT
www.rkmarble.com | www.wondercement.com

सह प्रायोजक
ARL
ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023
समय : सायं 7.00 बजे से
:: स्थान ::
भट्टारक जी की नशियां,
नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार
(हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच
(हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर
(हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई
(हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त
(हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला
(श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त'
(मंच संचालन)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
श्रीमान् अशोक जी पाटनी
आर. के. मार्बल ग्रुप

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् विनोद जी तिजारिया
प्रमुख समाज सेवी

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् निर्मल जी सौगानी
सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् विनय जी सौगानी
प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि
डॉ. पी.सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् जितेन्द्र जी गंगवाल
मेडिकल व्यवसायी एवं समाज सेवी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के आमंत्रित इन्दौर से राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

जयपुर में प्रथम बार आगमन
राष्ट्रीय अध्यक्ष — श्रीमान् राकेश जी बिनायका
राष्ट्रीय महासचिव — श्रीमान् विपुल जी बॉझल
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष — श्रीमान् कमलेश जी कासलीवाल
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष — श्रीमान् विमल जी अजमेरा
संयुक्त सचिव — श्रीमान् आशीष जी सूत वाले

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं।

आदिनाथ जयंती 16 मार्च से महावीर जयंती 3 अप्रेल तक

रक्तदान जीवन दान

विशाल रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये।
चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

भगवान महावीर की 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत **मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य** के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से लगभग **40 स्थानों पर रक्तदान शिविर** आयोजित किये जायेंगे।

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2023 एवं भक्ति संध्या

(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोगी संस्थाओं का सम्मान)
रविवार, 2 अप्रेल 2023 - सायं 7.00 बजे से - तोतूका सभागार, भट्टारक जी नसियाँ

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक — यश कमल - संगीता अजमेरा
परामर्शक — दर्शन - विनीता बाकलीवाल
समन्वयक — मनीष - शोभना लोंग्या
सह-समन्वयक — विनोद - हेमा सोगानी
सह-समन्वयक — चक्रेश - पिंकी जैन
सह-समन्वयक — राजेश - रानी पाटनी
सह-समन्वयक — अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन, विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी

ग्रुप संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका (अध्यक्ष), दिनेश-संगीता गंगवाल (परामर्शक), मनीष-शोभना लोंग्या (कार्याध्यक्ष), पुनीत-पुनीता गोदिका (उपाध्यक्ष), चक्रेश-पिंकी जैन (उपाध्यक्ष), राकेश-रेणु संघी (उपाध्यक्ष), महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल (उपाध्यक्ष), अनिल-निशा संघी (सचिव)

अनिल-अनिता जैन (कोषाध्यक्ष), राजेश-रितु छाबड़ा (संगठन सचिव), राजेश-रानी पाटनी (संगठन सचिव), प्रदीप-प्राची बाकलीवाल (संयुक्त सचिव), चेतन-डॉ. अनामिका पापड़ीवाल (संयुक्त सचिव), कमल-मंजु ठोलिया (सांस्कृतिक सचिव), राजेन्द्र-कुसुम जैन (खेल सचिव)

कार्यकारिणी सदस्य :
अनिल-ज्योति चौधरी ⁕ डॉ अनुपम-विनीता जैन ⁕ सपन-रजनी छाबड़ा ⁕ नितेश-मीनू पाण्ड्या
विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ⁕ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या (अध्यक्ष), अनिल जैन IPS (संस्थापक अध्यक्ष), महेन्द्र कुमार पाटनी (वरिष्ठ परामर्शक), सुरेंद्र कुमार पाण्ड्या (परामर्शक), नवीन सेन जैन (परामर्शक), यश कमल अजमेरा (निर्वतमान अध्यक्ष), अतुल बिलाला (पूर्व अध्यक्ष), पारस कुमार जैन (कोषाध्यक्ष), निर्मल संघी (महासचिव)

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

SURYAVANSHI JEWELLERS
083025 81569
SB-155 A, Sawai Mansingh Rd, Tonk Road, Lalkothi, Jaipur, Rajasthan 302015